RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2019-2021 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

www.Indianplasttimes.in

# इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 18 AUGUST TO 24 AUGUST 2021 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 06 ■ अंक 51 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

**Inside News**

चेक काटने से पहले न करें ये गलती, वरना देना पड़ेगा जुर्माना!

Page 2

मेट्रो कैश एंड कैरी इंडिया ने गुंटूर में 30वां मेट्रो होलसेल स्टोर खोला

Page 4

निप्पॉन इंडिया फ्लेक्सी कैप फंड ने ऑफर के माध्यम से रु. 2860 करोड़ एकत्रित

Page 5

## editoria!

### उद्यम विस्तार पर जोर

आत्मनिर्भर भारत के संकल्प में छोटे और मझोले उद्यमों के विकास के लिए कुछ समय से सरकार की ओर से अनेक पहल किये गये हैं. इस कड़ी में भारत के लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) ने ऐसे उद्यमों को स्थानीय और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला से जोड़ने के लिए दीर्घकालिक उपायों की घोषणा की है. यह बैंक छोटे व मझोले उद्यमों को आधुनिक बनाने, कौशल बढ़ाने, उत्पादन क्षमता को बेहतर करने आदि में सहयोग करता है. इस प्रयास में सिडबी ने ऐसे उद्यमों के क्लस्टर के विकास की रणनीति तैयार की है. इसके तहत छह सौ से अधिक कलस्टरों को सहयोग देने की क्षमता है. सकल घरेलू उत्पादन (जीडीपी) में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र की हिस्सेदारी अभी 30 फीसदी है, जिसे 40 फीसदी करने की दिशा में सरकार प्रयासरत है. हमारी अर्थव्यवस्था में इस क्षेत्र के महत्व को समझने के लिए यह तथ्य पर्याप्त है कि करीब 6.30 करोड़ इन उद्यमों में गैर-कृषि कार्यबल के 40 प्रतिशत भाग को रोजगार प्राप्त है. इसका अर्थ यह है कि इस क्षेत्र में 11 करोड़ से अधिक लोग सेवारत हैं. सेवा और मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र के उत्पादन में इन उद्यमों का योगदान क्रमशः लगभग 25 और 33 फीसदी है. बीते डेढ़ साल से जारी कोरोना महामारी के कहर का सबसे अधिक असर भी छोटे और मझोले उद्योगों को हुआ है. अब जब अर्थव्यवस्था एक बार फिर बढ़त की ओर अग्रसर है, तो इसमें इस क्षेत्र की भूमिका उल्लेखनीय है. आत्मनिर्भर भारत योजना के अंतर्गत छोटे और मझोले उद्यमों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के साथ-साथ नियमों में भी आवश्यक संशोधन किये गये थे. इस वर्ष के बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस क्षेत्र के विकास के लिए 15,700 करोड़ रुपये के आवंटन की घोषणा की थी. बजट में इस क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व मशीन लर्निंग को बढ़ावा देने का उल्लेख भी था. सिडबी की योजनाओं में भी अत्याधुनिक तकनीक पर जोर है. इससे उत्पादकता बढ़ाने में भी मदद मिलेगी और रोजगार की गुणवत्ता में भी बेहतरी आयेगी. गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) की समस्या से भी छोटे और मझोले उद्यम प्रभावित हैं. इसके लिए सरकार ने एक अलग ढांचा बनाने का फैसला किया है. कुछ समय पहले रिजर्व बैंक ने भी पुनर्संरचना पहल के तहत कर्जों की सीमा को 25 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 50 करोड़ रुपये करने की घोषणा की थी. छोटे उद्योगों के विकास के लिए बने बैंक के लिए रिजर्व बैंक ने 16 हजार करोड़ रुपये की विशेष सुविधा भी प्रदान की है. ऐसी पहलों से छोटे और मझोले उद्यमों में नये उत्साह के संचार की उम्मीद है, जो महामारी की वजह से धीमी पड़ गयी है. कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने निर्यात बढ़ाने का आह्वान किया है. छोटे व मझोले उद्यमों का विस्तार बड़े उद्योगों के लिए भी अहम है. ऐसे में वैश्विक बाजार में भी यह क्षेत्र बड़ा योगदान दे सकता है.

# महंगा तेल किसका खेल

## क्या सिर्फ ऑयल बॉन्ड के चलते महंगा है पेट्रोल, डीजल?

**नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क**

देश में लगातार 32वें दिन डीजल की कीमतों में गिरावट आई। हालांकि, पेट्रोल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं आया। हालांकि, अभी भी कई शहरों में दिल्ली, मुंबई जैसे महानगरों में पेट्रोल और डीजल अपने उच्चतम स्तर पर बने हुए हैं। सवाल ये है कि महंगे तेल के लिए जिम्मेदार कौन।

### ऑयल बॉन्ड,मेन विलेन?

पेट्रोल कीमतों पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का एक बयान आया है जिसमें कहा गया है कि ळईं सरकार के ऑयल बॉन्ड ने उनके हाथ बांध रखे हैं। ऑयल बॉन्ड के चलते टैक्स घटाना संभव नहीं है। इसके लिए ऑयल बॉन्ड का ब्याज और मूलधन चुकाना पड़ेगा।

### ऑयल बॉन्ड का खेल

बता दें कि UPA सरकार ने ऑयल बॉन्ड जारी किया था। UPA सरकार ने 1.44 लाख करोड़ का ऑयल बॉन्ड इश्यू किया था। 2014-15 में ऑयल बॉन्ड का बकाया 1.34 लाख करोड़ रुपए था। 2014-15 में ब्याज भुगतान का बकाया 10255 करोड़ रुपए था। मोदी सरकार ने 70,195 करोड़ का। ब्याज चुकाया है। इसके साथ ही मोदी सरकार ने 3500 करोड़ का मूलधन चुकाया है। 2026 तक सरकार को ब्याज के 37000 करोड़ देने हैं। 2026 तक सरकार को मूलधन के 1.30 लाख करोड़ रुपए देने हैं।

### तेल में टैक्स का खेल

2014 से 2021 के बीच एक्साइज में भारी इजाफा देखने को मिला है। पेट्रोल पर एक्साइज 19.48 से बढ़कर 32.90 रुपए पर आ गया है। इसी अवधि में डीजल पर एक्साइज 3.56 से बढ़कर 31.80 रुपए पर आ गया है। इस अवधि में सरकार की एक्साइज से कमाई 99,068 करोड़ से बढ़कर 3 लाख करोड़ रुपए पर आ गया है।

### कमाई का खेल

7 साल में एक्साइज से कमाई 3 गुना बढ़ी है। राज्य सरकारें टैक्स पर टैक्स लेती हैं । राज्य सेंट्रल ड्यूटी पर भी VAT लगाते हैं। डीलर प्राइस और डीलर कमिशन पर VAT लिया जाता है।

# अमेरिका ने अफगानिस्तानी बैंक के अरबों डॉलर किए जब्त

## 9.5 अरब डॉलर के अफगानी रूपये देने इनकार

**काबुल। एजेंसी**

अमेरिका ने अफगानिस्तान के केंद्रीय बैंक की करीब 9.5 अरब डॉलर की संपत्ति जब्त कर ली है और तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार को रूपयें तक पहुंचने से रोकने की कोशिश में देश को नकदी की आपूर्ति बंद कर दी है। अधिकारी ने कहा कि अमेरिका में अफगान सरकार के पास केंद्रीय बैंक की कोई भी संपत्ति तालिबान के लिए उपलब्ध नहीं होगी, जो कि ट्रेजरी विभाग की प्रतिबंध पदनाम सूची में बनी हुई है। देश के केंद्रीय बैंक दा अफगान बैंक के कार्यवाहक प्रमुख अजमल अहमदी ने सोमवार तड़के ट्वीट किया कि उन्हें शुक्रवार को पता चला कि डॉलर का शिपमेंट बंद हो जाएगा, क्योंकि अमेरिका ने फंड तक पहुंच हासिल करने के लिए तालिबान के किसी भी प्रयास को रोकने की कोशिश की थी। डीएबी के पास 9.5 बिलियन डॉलर की संपत्ति है, जिसका एक बड़ा हिस्सा न्यूयॉर्क फेडरल रिजर्व और यूएस-आधारित वित्तीय संस्थानों के खातों में है। तालिबान पर अमेरिकी प्रतिबंधों का मतलब है कि वे किसी भी धन का उपयोग नहीं कर सकते। इस मामले से परिचित दो लोगों के अनुसार, डीएबी की अधिकांश संपत्ति वर्तमान में अफगानिस्तान में नहीं है। अफगान मीडिया ने कहा कि यह फैसला अफगानिस्तान में लाखों लोगों को प्रभावित करेगा कि तालिबान द्वारा पूरे अफगानिस्तान लेकिन पंजशेर प्रांत पर नियंत्रण करने के कुछ दिनों बाद आया है। बाइडन के प्रशासन का यह निर्णय न केवल तालिबान नेतृत्व और उनकी आने वाली सरकार को दबा देगा, बल्कि उन लाखों लोगों के जीवन पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालेगा जो पहले से ही सूखे, बेरोजगारी और गरीबी से पीड़ित हैं। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुसार, अफगानिस्तान के केंद्रीय बैंक दा अफगानिस्तान बैंक के पास इस वर्ष अप्रैल के अंत में 9.4 बिलियन डॉलर तक था। अफगानिस्तान की संपत्ति में न केवल अरबों डॉलर बल्कि सोना और अमेरिकी खजाने भी शामिल हैं। चूंकि तालिबान को दुनिया के किसी भी देश ने अभी तक मान्यता नहीं दी है, इसलिए स्थिति उनके लिए अपने बाहरी फंड तक पहुंचना मुश्किल बना देगी।

# हाजिर मांग से कच्चा तेल वायदा कीमतों में तेजी

**नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क**

मजबूत हाजिर मांग के कारण कारोबारियों ने अपने सौदों के आकार को बढ़ाया जिससे वायदा कारोबार में बुधवार को कच्चा तेल की कीमत 11 रुपये की तेजी के साथ 4,967 रुपये प्रति बैरल हो गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में कच्चातेल के अगस्त डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 11 रुपये अथवा 0.22 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,967 रुपये प्रति बैरल हो गई जिसमें 1,522 लॉट के लिए कारोबार हुआ।

बाजार विश्लेषकों ने कहा कि कारोबारियों द्वारा अपने सौदों का आकर बढ़ाने से वायदा कारोबार में कच्चातेल कीमतों में तेजी आई। वैश्विक स्तर पर, न्यूयॉर्क में वेस्ट टैक्सास इंटरमीडिएट कच्चे तेल का दाम 0.44 प्रतिशत की तेजी के साथ 66.88 डालर प्रति बैरल हो गया। वैश्विक मानक माने जाने वाले ब्रेंट क्रूड का दाम 0.61 प्रतिशत बढ़कर 69.45 डालर प्रति बैरल हो गया।

## News यू केन USE

### प्री-कोविड लेवल से ऊपर पहुंची पेट्रोल की मांग, डीजल थोड़ा सा पीछे

**नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क**

अगस्त का महीना देश को ऑटो ईंधन की बिक्री के पूर्व-कोविड स्तर तक पहुंचने के करीब ले आया है। यह एक संकेत है कि देश में सामान्य आर्थिक सुधार के साथ ईंधन की मांग में सुधार हो रहा है। पेट्रोल की बिक्री पहले ही एक महीने से अधिक पूर्व-कोविड के स्तर को पार कर चुकी है। उधर, डीजल की बिक्री में वृद्धि शुरू हो गई है और 15 अगस्त तक पूर्व-कोविड स्तरों को छूने से सिर्फ 8 प्रतिशत कम है। राज्य के स्वामित्व वाले ईंधन खुदरा विक्रेताओं ने 1-15 अगस्त, 2021 के बीच 0.94 मिलियन टन पेट्रोल बेचा है। यह पिछले वर्ष की समान अवधि में देखी गई दालों की तुलना में 9.4 प्रतिशत की वृद्धि है और अगस्त, 2019 की पहली छमाही में 0.95 मिलियन टन की बिक्री से 3.7 प्रतिशत अधिक है। देश में सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाले ईंधन डीजल के संबंध में, देश के विभिन्न हिस्सों में महामारी की दूसरी लहर और इसके परिणामस्वरूप मांग और बिक्री प्रभावित होने के बाद 1-15 अगस्त के दौरान बिक्री 18.5 प्रतिशत बढ़कर 2.11 मिलियन टन हो गई है। 2019 में, अगस्त की पहली छमाही में डीजल की बिक्री 20 मिलियन टन और मौजूदा आंकड़ों से लगभग 8 प्रतिशत कम रही।

### डॉलर के मुकाबले रुपया 11 पैसे की बढ़त के साथ 74.24 रुपये पर

**मुंबई। आईपीटी नेटवर्क**

अन्य मुद्राओं की तुलना में डॉलर के कमजोर होने के कारण अंतरबैंक विदेशीमुद्रा विनिमय बाजार में बुधवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 11 पैसे बढ़कर 74.24 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। बाजार सूत्रों ने कहा कि हालांकि, घरेलू शेयरों में भारी बिकवाली दबाव तथा कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने रुपये की तेजी पर अंकुश लगाया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में कारोबार की शुरुआत में रुपया 74.30 पर मजबूत खुला। कारोबार के दौरान 74.24 से 74.31 रुपये के दायरे में घूमने के बाद अंत में यह 11 पैसे की तेजी के साथ 74.24 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। मंगलवार को रुपया 74.35 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 प्रतिशत घटकर 93.05 रह गया। वैश्विक मानक माने जाने वाला ब्रेंट कच्चा तेल वायदा भाव 0.77 प्रतिशत बढ़कर 69.56 डॉलर प्रति बैरल हो गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 162.78 अंक की गिरावट के साथ 55,629.49 अंक पर बंद हुआ। इस बीच, विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे और उन्होंने मंगलवार को 343.73 करोड़ रुपये के शेयरों की बिकवाली की।

### केंद्र ने खनिजों की खोज के लिए निजी एजेंसियों की मान्यता संबंधी योजना को अपनाया

**नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क**

खान मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि उसने खनिजों की खोज के लिए निजी अन्वेषण एजेंसियों को मान्यता देने संबंधी एक योजना को अपनाया है। मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में बुधवार को कहा कि खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 के तहत मान्यता प्राप्त निजी एजेंसियों की अधिसूचना के लिए दिशानिर्देश जारी किए गए हैं। बयान में कहा गया कि इससे खोज की गति बढ़ेगी, नए उद्यमियों को प्रोत्साहन मिलेगा और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। बयान के मुताबिक, ''खान मंत्रालय ने निजी अन्वेषण एजेंसियों को मान्यता देने के लिए भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई-एनएबीईटी) के शिक्षा और प्रशिक्षण राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड द्वारा तैयार योजना को मंजूरी दी है।'' योजना के मानकों और प्रक्रियाओं के अनुसार क्यूसीआई-एनएबीईटी खनिजों की खोज के लिए निजी अन्वेषण एजेंसियों को मान्यता देगा। खान मंत्रालय ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर मान्यता प्राप्त निजी अन्वेषण एजेंसियों की अधिसूचना के लिए मान्यता और दिशानिर्देशों के लिए योजना प्रकाशित की है।

# चेक काटने से पहले न करें ये गलती, वरना देना पड़ेगा जुर्माना!

## जानें RBI के नए नियम

**नयी दिल्ली। एजेंसी**

अगर आपक चेक के जरिये पेमेंट कर रहे हैं तो आपको पहले से ज्यादा सतर्क रहना होगा। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने बैंकिंग नियमों में कुछ बदलाव किया है। केंद्रीय बैंक ने अब चौबीसों घंटे बल्क क्लियरिंग की सुविधा उपलब्ध कराने का फैसला लिया जिसका सीधा असर आपकी चेक के पेमेंट करने के तरीके पर पड़ने वाला है। यानी, अब चेक को क्लीयर होने में 2 दिन का समय नहीं लगेगा। अब चेक डालने के बाद तुरंत उसका अमाउंट क्लीयर हो जाएगा। ऐसे में चेक जारी करते समय आपको सावधानी बरतनी होगी और चेक जारी करने से पहले देखना होगा कि आपके खाते में पैसा है या नहीं।

**सातों दिन क्लीयर होंगे चेक –** अब चेक NACH सभी सातों दिन उपलब्ध होगा, इसलिए आपको चेक के माध्यम से पेमेंट करने पर पहले अधिक सावधानी बरतनी होगी। अब ये नॉन वर्किंग डे यानी साप्ताहिक छुट्टी और नेशनल हॉलिडे के दिन भी काम करेगा। इसलिए अब चेक जारी करने से पहले देख लें कि खाते में पैसा है या नहीं। वरना चेक बाउंस हो जाएगा। चेक बाउंस होने पर आपको खाते से पेनाल्टी भरनी होगी।

**जानें क्या है NACH –** नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) द्वारा संचालित NACH के जरिये बल्क पेमेंट का काम किया जाता है। ये एक समय कई सारी क्रेडिट ट्रांसफर की सुविधा देता है। इसके अलावा बल्क पेमेंट जैसे सैलरी, पेंशन, ब्याज, डिविडेंड आदि का भुगतान होता है। ये इलेक्ट्रिसिटी, गैस, टेलिफोन, वाटर, लोन की किश्त, निवेश, इंश्योरेंस प्रीमियम आदि की पेमेंट का काम भी करता है।

**हाई वैल्यू चेक पेमेंट के लिए अब होंगे ये नियम –** RBI ने जनवरी में पॉजिटिव पे सिस्टम को लागू किया किया था ताकि चेक आधारित ट्रांजेक्शन को पहले से ज्यादा सुरक्षित बनाया जा सके। पॉजिटिव पे सिस्टम में 50 हजार रुपये से अधिक की चेक पेमेंट के लिए डिटेल्स को दोबारा चेक किया जाता है।

**दोबारा चेक होंगी सभी डिटेल –** इस प्रक्रिया के तहत चेक जारीकर्ता इलेक्ट्रॉनिक रूप से क्लियरिंग के लिए पेश किए गए चेक से जानकारी देता है। जैसे चेक नंबर, चेक की तारीख, पेमेंट करने वाले का नाम, अकाउंट नंबर, राशि और अन्य विवरण आदि। जारीकर्ता को पहले जारी किये गए चेक की डिटेल भी आती है।

## उद्योग जगत की साख में हुआ सुधार

# वित्तीय क्षेत्र को छोड़कर 43 सेक्टरों में सुधार की प्रक्रिया जारी

**मुंबई। आईपीटी नेटवर्क**

भारतीय कारोबार में लगातार तेजी को देखते हुए क्रेडिट रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने उद्योग जगत की साख में सुधार करते हुए हुए उसे 'पाजिटिव' कर दिया है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष के शुरुआती चार महीनों में कारोबारी जगत का क्रेडिट रेश्यो 2.55 गुना से अधिक बढ़ा है, जो पिछले वर्ष के आखिरी छह महीनों में 1.33 गुना बढ़ा था।

एजेंसी के मुताबिक उसने वित्तीय क्षेत्र को छोड़कर 43 सेक्टरों का अध्ययन किया है और इससे पता चलता है कि सभी स्तर पर सुधार की प्रक्रिया जारी है। खास बात यह है कि 36 लाख करोड़ के कुल कर्ज का 75 फीसद हिस्सा इन सेक्टरों के पास ही है। एजेंसी के अनुसार इनमें से 28 सेक्टर ऐसे हैं, जिनकी मांग वित्त वर्ष के अंत तक महामारी पूर्व के स्तर पर आ जाएगी। जबकि शेष क्षेत्रों की मांग लगभग 85 फीसद से ऊपर होगी। क्रिसिल के चीफ रेटिंग अधिकारी सुबोध राय ने कहा कि भारतीय उद्योग जगत की बुनियाद मजबूत है और इसमें तेजी जारी रहेगी। आउटलुक में संशोधन घरेलू और वैश्विक स्तर पर मजबूत आर्थिक विकास से प्रेरित है और अनुमान है कि घरेलू मांग बढ़ेगी। हालांकि महामारी की तीसरी लहर और स्थानीय स्तर पर लाकडाउन का डर बना हुआ है। सबसे अधिक सुधार कंस्ट्रक्शन, इंजीनियरिंग और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में दर्ज किया गया है। इसका सबसे बड़ा कारण इन क्षेत्रों को सरकार की तरफ से दी जा रही रियायतें शामिल हैं। इसके अलावा स्टील और दूसरी धातुओं की बढ़ती कीमत और लाभ के चलते इससे जुड़े उद्योगों की स्थिति सुधरी है।

घरेलू में मांग में वृद्धि और निर्यात में तेजी के चलते फार्मास्युटिकल्स, विशेषकर केमिकल से जुड़े उद्योगों को फायदा हुआ है। हालांकि हास्पिटेलिटी और शिक्षा से जुड़े उद्योगों को महामारी का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है और इनमें गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि आरबीआइ और सरकार द्वारा समय पर उठाए गए कदमों ने नुकसान को कम जरूर किया है। एजेंसी के सीनियर डायरेक्टर सोमशेखर वेमुरी ने कहा कि वित्तीय क्षेत्र की स्थिति भी एक साल पहले की तुलना में इस वक्त बेहतर है। उन्होंने कहा कि सरकार और आरबीआइ ने महामारी प्रभावित कंपनियों के एकमुश्त कर्ज पुनर्गठन का जो कदम उठाया, उससे एनपीए पर अंकुश लगाने में मदद मिली।

# कोरोना की दूसरी लहर के दौरान मजबूती से उभरा ग्रेसिम का पहली तिमाही का परिणाम

**इंदौर। आईपीटी नेटवर्क**

ग्रेसिम का पहली तिमाही का परिणाम वित्तीय वर्ष 22 की पहली तिमाही के लिए समेकित राजस्व पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 53 प्रतिशत बढ़कर 19,919 करोड़ रूपये पर पहुंचा। ईबीआईटीडीए पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 86 प्रतिशत बढ़कर 4,736 करोड़ रूपये रहा तथा पीएटीङ पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 612 प्रतिशत बढ़कर 1,667 करोड़ रूपये पर पहुंचा। वित्तीय वर्ष 22 की पहली तिमाही के लिए स्टैंडअलोन/स्वचालित राजस्व 3,763 करोड़ रूपये, ईबीआईटीडीए 805 करोड़ रूपये तथा पीएटी 482 करोड़ रूपये हो गया। सभी में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में महत्वपूर्ण उछाल आया। वित्तीय वर्ष 22 की पहली तिमाही के लिए बंद संचालनों (फ़र्टिलाइज़र व्यवसाय) के कारण राजस्व तथा ईबीआइटीडीए क्रमशः 687 करोड़ रूपये तथा 56 करोड़ रूपये (वित्तीय वर्ष 21 की पहली तिमाहीः 605 करोड़ रूपये तथा 72 करोड़ रूपये क्रमशः) रहा। फ़र्टिलाइज़र व्यवसाय के अनावरण की प्रक्रिया के वित्तीय वर्ष 22 की दूसरी तिमाही तक पूरा हो जाने की संभावना है।

कोविड-19 की दूसरी लहर ने आर्थिक गतिविधियों की गति को धीमा किया, जिसमें अब तेजी से सुधार हो रहा है। हालाँकि सरकार द्वारा वैक्सीनेशन (टीकाकरण) की गति को बढ़ाने और दूसरी लहर के मंद पड़ने के साथ अब अर्थव्यवस्था में मजबूत सुधार देखने को मिल रहा है। वैश्विक स्तर पर टैक्सटाइल संबंधी मांग पर दूसरी लहर का असर पहली लहर जितना गंभीर नहीं रहा। वित्तीय वर्ष 22 की पहली तिमाही की अधिकांश अवधि के दौरान भारत ने व्यवसायिक गतिविधियों पर चुनिंदा प्रतिबंध देखा, जिसका असर टैक्सटाइल उत्पादों की बिक्री पर पड़ा जिससे आगे जाकर वैल्यू चेन में स्टॉक का खासा ढेर इकट्ठा हो गया।

कोरोना की दूसरी लहर ने कैमिकल व्यवसाय के कार्य संचालन के प्रदर्शन पर बहुत कम प्रभाव डाला। अंतर्राष्ट्रीय कास्टिक सोडा के दामों ने वित्तीय वर्ष 22 की पहली तिमाही में चढ़ाव बरकरार रखा। इसके पीछे मेंटेनेंस शटडाउन की वजह से आपूर्ति की कटौती और मांग में सुधार मुख्य वजह रही। घरेलू कास्टिक सोडा के दामों में हुई बढ़ोत्तरी, टैक्सटाइल, ऑर्गेनिक कैमिकल्स में मांग के कमजोर पड़ने तथा अत्यधिक आपूर्ति की स्थिति से नियंत्रित हो गई। इसके कारण वित्तीय वर्ष 22 की पहली तिमाही में कैपेसिटी यूटिलाइजेशन का स्तर 85 प्रतिशत दर्ज हुआ जो कि इस उद्योग के औसत से अधिक रहा। पेंट व्यवसाय में योजना के अनुरूप उन्नति हो रही है। विभिन्न राज्यों में प्लांट्स स्थापित करने के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया में है। इसके साथ ही प्रोजेक्ट इंजीनियरिंग योजना भी आगे बढ़ रही है।

# एजुकेट गर्ल्स कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में यूनिसेफ और युवाह के #YoungWarrior पहल में शामिल

**इंदौर। आईपीटी नेटवर्क**

लड़कियों की शिक्षा के माध्यम से लिंग और साक्षरता के अंतर को कम करने के लिए राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के गांवों में काम करने वाली गैर-सरकारी संस्था एजुकेट गर्ल्स, कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में #YoungWarrior पहल में शामिल हो गई है। एजुकेट गर्ल्स के लगभग 5800 टीम बालिका स्वयंसेवकों ने 18 से 30 वर्ष की आयु के बीच युवा योद्धाओं के रूप में पंजीकरण कराया है और अपने गांवों और समुदायों में सकारात्मक काम करने के लिए अपना समर्थन देने का वचन दिया है।

#YoungWarrior पहल युवा कार्य मंत्रालय (MoYAS), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय युवाह,यूनिसेफ और 1,350 से अधिक भागीदारों द्वारा 5 मिलियन युवाओं को कोविड के खिलाफ लड़ाई में संलग्न करने के लिए शुरू किया गया है, कोविड-19 पूरे भारत में 50 मिलियन लोगों के जीवन को संचयी रूप से प्रभावित करता है।इस आंदोलन के माध्यम से, युवा परिवारों और समुदाय के सदस्यों को टीकाकरण के लिए प्रोत्साहित करने केलिए युवा कार्यों में लगे हुए हैं । नकली-समाचारों एवं अफवाओं के बारे में जानकारी देने केलिए, अन्य माध्यमसे कोविड से संबंधित गलत सूचनाओं पर अंकुश लगाने, कोविड -उपयुक्तव्यवहार पर जानकारी देना जैसे अन्य महत्वपूर्ण पहलों में शामिल हैं। पिछले दो महीनों में,#YoungWarrior पहल में हस्से के रूप में 6 मिलियन से अधिक युवाओं ने भाग लिया है।

कोविड राहत पहल के रूप में,एजुकेट गर्ल्स संस्था ने टीम बालिका और उनके 2,200 कर्मचारियों की मदद से भारत के सुदूर गांवों में 1,15,000 से अधिक अति-गरीब परिवारों को राशन और स्वच्छता किट वितरित किया है । 15,000 से अधिक टीम बालिका स्वयंसेवकों ने लड़कियों को शिक्षित करने में सहायता कर के यह सुनिश्चित किया कि राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के ग्रामीण गांवों के 2,30,600ह बच्चे समुदाय आधारित शिक्षण पहल कैंप विद्या के माध्यम से शिक्षा से जुड़े रहें।

यूनिसेफ इंडिया की चीफ ऑफ जेनरेशन अनलिमिटेड (यूवाह), यूथ डेवलपमेंट एंड पार्टनरशिप, सुश्री धुवाराखा श्रीराम ने कहा, 'अगर हम युवाओं को सही समर्थन करते हैं, तो वे भारत में कोविड -19 अवस्था को बदल सकते हैं। #YoungWarrior आंदोलन का उद्देश्य देश के सभी हिस्सों के युवाओं को शामिल करना है। फोन और इंटरनेट इस्तेमाल करने वाले लोगों के लिए, हमने एक साधारण चैटबॉट विकसित किया है, जो कोविड -19 से लड़ने से संबंधित कार्यों को जारी करता है। बिना इंटरनेट कनेक्टिविटी वाले लोग आईवीआर नंबर पर मुफ्त मिस्ड कॉल दे सकते हैं। जिन युवाओं के पास डिवाइस तक पहुंच नहीं हो सकती है उनके लिए 200 से अधिक सामुदायिक रेडियो स्टेशनों के माध्यम से जानकारी साझा की जाती है। हम एजुकेट गर्ल्स टीम बालिका स्वयंसेवकों का युवा योद्धाओं के रूप में स्वागत करते हैं ताकि वे कोविड -19 केखिलाफ इस लड़ाई में अपने आप को, अपने परिवार और समुदायों को सुरक्षित रख सकें।' एजुकेट गर्ल्स अपने सामुदायिक स्वयंसेवकों के लिए कई प्रशिक्षणों के लिए युवाह के साथ भी सहकार्यता कर रही है जो उन्हें सहयोग के हिस्से के रूप में अन्य पहलों के साथ-साथ लिंग आधारित हिंसा, विकलांग लोगों की देखभाल जैसे मुद्दों से निपटने में सक्षम बनाएगी।

# कोविड-19 वैक्सीनः भारत के लिए 11 अरब अमेरिकी डॉलर के बाजार का अवसर

**नई दिल्ली। एजेंसी**

केयर रेटिंग्स ने एक रिपोर्ट में कहा कि भारत के दवा उद्योग के सामने अगले तीन वर्षों के दौरान घरेलू और निर्यात बाजार में कोविड-19 की वैक्सीन आपूर्ति के रूप में 10 से 11 अरब अमेरिकी डॉलर के अवसर हैं।रेटिंग एजेंसी ने रिपोर्ट में अनुमान जताया कि भारतीय वैक्सीन विनिर्माताओं को अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनियों की तरह बहुत अच्छी कीमत नहीं मिल पाएगी। अमेरिका में एक खुराक की कीमत 15 डॉलर से 25 डॉलर के बीच है, जबकि भारतीय कंपनियों को एक खुराक के लिए 3.25 डॉलर से 3.50 डॉलर तक मिलने की उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा गया, ''केयर रेटिंग्स को भारतीय वैक्सीन निर्माताओं के लिए अगले तीन वर्षों के दौरान कम से कम 10-11 अरब अमेरिकी डॉलर की आपूर्ति अवसरों की उम्मीद है। इसमें घरेलू आपूर्ति और निर्यात, दोनों शामिल हैं।'' केयर रेटिंग्स के अनुसार ज्यादातर घरेलू मांग मार्च 2022 तक पूरी होने की उम्मीद है। इस समय तक यूरोप, उत्तरी अमेरिका और विकसित एशियाई देशों जैसे उच्च आय वाले बाजारों में निर्यात के अवसर पूरी तरह खत्म होने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया कि हालांकि चीन और जापान को छोड़कर एशिया और कुछ दक्षिण अमेरिकी देशों, अफ्रीका में निर्यात के अवसर बने रहेंगे।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित । संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।

# मेट्रो कैश एंड कैरी इंडिया ने गुंटूर में 30वां मेट्रो होलसेल स्टोर खोला

**इंदौर। आईपीटी नेटवर्क**

भारत के सबसे बड़े संगठित थोक व्यापारी और खाद्य विशेषज्ञ मेट्रो कैश एंड कैरी ने गुंटूर में अपना पहला 'मेट्रो होलसेल' वितरण केंद्र (स्टोर) लॉन्च किया। देश में कंपनी के इस 30वें नए मेट्रो होलसेल स्टोर का उद्घाटन श्री मोहम्मद मुस्तफा शेख, माननीय विधायक, गुंटूर-पूर्व और श्री मदाली गिरिधर राव, माननीय विधायक, गुंटूर पश्चिम ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, स्थानीय गणमान्य व्यक्ति, प्रमुख आपूर्तिकर्ता भागीदार और भारत में मेट्रो की लीडरशिप टीम भी उपस्थित थी। विजयवाड़ा और विशाखापत्तनम के बाद आंध्र प्रदेश राज्य में यह तीसरा मेट्रो होलसेल स्टोर है।

कर्मचारियों और ग्राहकों के लिए एक सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में मेट्रो ने स्टोर पर 30 कड़े कदमों वाले सुरक्षा उपाय लागू किए हैं। प्रत्यक्ष कर्मचारियों, प्रमोटरों, हाउसकीपिंग, सुरक्षा कर्मचारियों और ड्राइवरों सहित मेट्रो के इन-स्टोर कर्मचारियों में से 100 प्रतिशत कर्मचारियों को इसके गुंटूर स्टोर में कोविड-19 वैक्सीन की पहली खुराक के साथ टीका लगाया गया है।

44,000 वर्ग फुट में फैला, गुंटूर स्टोर रणनीतिक रूप से मंगलागिरी रोड पर स्थित है और शहर में व्यापारिक ग्राहकों की दैनिक जरूरतों के लिए वन स्टॉप डेस्टिनेशन है। स्टोर, शुरू में 60,000 से अधिक पंजीकृत बिजनेस कस्टमर्स की जरूरतों को पूरा करेगा, साथ ही किराना और व्यापारियों की

व्यावसायिक आवश्यकताओं को और होटल, रेस्तरां और कैटरर्स सेवाएं, कंपनियां और कार्यालय (एससीओ) और स्व-नियोजित पेशेवर की जरूरतों को भी पूरा करेगा। गुंटूर के अलावा, स्टोर नरसरावपेट, पोन्नूर, चिराला, बाप्टाला, रेपल्ली, विनुकोंडा, इंकोलू, मैकफर्लेन, करमपुडी, गुरजाला, धासीपल्ली जैसे पड़ोसी क्षेत्रों के ग्राहकों की जरूरतों को भी पूरा करेगा। भारत में सतत विकास के लिए मेट्रो की प्रतिबद्धता के बारे में बोलते हुए, मेट्रो कैश एंड कैरी इंडिया के एमडी और सीईओ श्री अरविंद मेदिरत्ता ने कहा, "हम आंध्र प्रदेश में अपनी मौजूदगी को लेकर आशावादी रहे हैं और संचालन के विस्तार के लिए विभिन्न स्थानों की तलाश कर रहे हैं। गुंटूर स्टोर आंध्र प्रदेश में हमारा तीसरा होलसेल स्टोर है और यह इस राज्य के प्रति हमारी प्रतिबद्धता, हमारे स्टोर प्रारूप, ओमनी चैनल पर हमारा बड़ा ध्यान और भारत में स्थायी और लाभप्रद रूप से बढ़ने के हमारे मिशन की पुष्टि करता है। स्टोर हमारे पोर्टफोलियो को और महत्वपूर्ण और मजबूत बनाता है, क्योंकि अब 14 परिचालन स्टोर (एपी तेलंगाना क्षेत्र और कर्नाटक में प्रत्येक में सात स्टोर) के साथ दक्षिण भारत में हमारे पैर पहले से अधिक मजबूत हुए हैं।''च प्राप्त होगी।

मेट्रो अपने 'स्मार्ट किराना प्रोग्राम' के माध्यम से स्वतंत्र व्यवसायों को समृद्ध बनाने और किराना ईकोसिस्टम को सशक्त बनाने में सबसे आगे रहा है। अपनी तरह की अनूठी पहल के तहत इस प्रोग्राम में माँ और पॉप स्टोर को आधुनिक खुदरा परिदृश्य में प्रतिस्पर्धा करने के लिए आधुनिकीकरण और डिजिटलीकरण समाधानों के साथ बदलने में मदद की जाती है। मेट्रो किराना डिजिटलीकरण में अग्रणी है और अब तक देश भर में 2000 से अधिक किराना के संचालन को आधुनिक बनाने में मदद कर चुका है। मेट्रो कैश एंड कैरी के साथ भारत में 30 लाख से अधिक ग्राहक जुड़े हैं। आज, कंपनी 30 थोक वितरण केंद्रों का संचालन करती है, जो 5000 से अधिक आपूर्तिकर्ताओं की जरूरतों को पूरा करती है, और देश भर में 15,000 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा कर चुकी है।

## अदाणी फाउंडेशन को उत्तम योगदान के लिए जिला वन महोत्सव में 'वृक्ष मित्र' अवॉर्ड

**अहमदाबाद। आईपीटी नेटवर्क**

अदाणी फाउंडेशन और उनकी 'सुपोषण संगिनी' टीम को सामाजिक वनीकरण एवं सुपोषण क्षेत्र में उत्तम योगदान के चलते आज 72 वे वन महोत्सव में 'वृक्ष मित्र' अवॉर्ड प्रदान किया गया। यह अवॉर्ड विविध महानुभावों की उपस्थिति में महिला एवं बाल विकास निगम के अध्यक्ष लीलाबेन अंकुरिया के द्वारा प्रदान किया गया। अदाणी फाउंडेशन साल 2019 से नर्मदा जिले में कुपोषण निर्मूलन सहित समाज कल्याण के विविध कार्य कर रहा है। इस कार्य का फायदा लक्षित लाभार्थी तक पहुँचाने के लिए फाउंडेशन ने विविध गांव से स्थानीय 195 महिलाओं का चुनाव करके उन्हें प्रशिक्षित कर सुपोषण संगिनी के रूप में तैयार किया है। संगिनी बहनें नर्मदा जिले के प्रत्येक गांव में जाकर माता और किशोर बालिकाओं को पोषण और आरोग्य विषयक मार्गदर्शन देती हैं, और पांच साल की अवस्था तक के बालको में कुपोषण निर्मूलन के लिए आंगनवाड़ी और स्थानीय लोगों के सहयोग से काम कर रही हैं। वन महोत्सव के दौरान सुपोषण संगिनी महिलाओं ने बागायती वृक्ष और सरकार की सामाजिक वनीकरण योजना अंतर्गत लाभार्थी पसंद करके वृक्षारोपण अनुरूप भूमि और प्लांटेशन को उचित मात्रा में पानी उपलब्ध करने में महत्वपूर्ण भागीदारी दिखाई है। बागायती वृक्ष बढने से कुटुंब स्तर पर पोषण में वृद्धि हो सकती है। प्रकृतिक संपदा के रक्षण और उसके रखरखाव के लिए इन संगिनियों ने जनजागृति अभियान का काम किया है और पोषण वृद्धि के लिए रसोई में सरगवे के पान तथा उसकी सिंग का उपयोग करने के लिए प्रत्येक गांव में निदर्शन दिया है। इस प्रवृत्ति से गांव में सरगवे का उपयोग बढ़ा है। अदाणी फउंडेशन ने इस अवॉर्ड को संगिनियों के लिए प्रेरणादायक मानते हुए धन्यवाद दिया है और इसे स्वीकार कर और जोश के साथ अपनी समाज कल्याण की प्रवृत्ति को आगे बढ़ाने के लिए अनुरोध किया है। गुजरात की अन्य तीन स्वैच्छिक संस्थाओं को भी 'वृक्ष मित्र अवॉर्ड' के लिए चुना गया है।

**उड़ान उपलब्धि की:**

## पीआर 24x7 के अवॉड्र्स की लम्बी सूची में एक बार फिर शामिल क्वालिटी मार्क अवॉर्ड

**इंदौर। आईपीटी नेटवर्क**

***हाल ही में भारत की अग्रणी पीआर संस्था, पीआर 24x7 ने सबसे प्रत्याशित और प्रतिष्ठित 'क्वालिटी मार्क अवॉड्र्स 2021' अपने नाम किया है। यह तीसरी बार है जब पीआर 24x7 ने क्वालिटी मार्क अवॉर्ड जीता है और पीआर इंडस्ट्री में एक ऐतिहासिक हैट्रिक बनाई है। मौजूदा स्थान पर कंपनी की ओर से अवॉर्ड प्राप्त करने के लिए फूल हसन और उज्जैन सिंह मौजूद थे। इस अवॉर्ड सेरेमनी को अहमदाबाद स्थित डबलट्री बाय हिल्टन, में आयोजित किया गया था। क्वालिटी मार्क अवॉड्र्स 2021 में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य के कैबिनेट मंत्री, श्री कौशिकभाई पटेल और श्री कुंवरजीभाई बावलिया, सांसद- श्री किरीटभाई सोलंकी, विधायक- इदर श्री हितू कनोदिया और विधायक- मेहमदाबाद श्री अर्जुनसिंह चौहान उपस्थित थे।***

इस वर्ष क्वालिटी मार्क ट्रस्ट द्वारा आयोजित क्वालिटी मार्क अवॉड्र्स का दसवां संस्करण है। इसके अंतर्गत देशभर में योग्य उम्मीदवारों और संगठनों को विभिन्न मानकों पर मान्यता प्रदान की जाती है और उन्हें समाज और व्यापारिक दुनिया के विकास में अभूतपूर्व योगदान देने के एवज में मनोनीत किया जाता है। यह अवॉर्ड मौजूदा और उभरते आंत्रप्रेन्योर्स को संबंधित क्षेत्रों में सफलता की उड़ान भरने के लिए एक बड़ी प्रेरणा है।

जीत के बारे में बात करते हुए, पीआर 24x7 के फाउंडर, अतुल मलिकराम कहते हैं, 'यह हमारे लिए ऐतिहासिक क्षण है। इस तरह के प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए मान्यता प्राप्त होना बेहद सम्मान की बात है। संस्था हमेशा ही सर्वश्रेष्ठ प्राप्त करने और क्लाइंट्स को संतोषजनक परिणाम देने का सार्थक प्रयास करती है। मेरा मानना है कि यह पुरस्कार पीआर 24x7 की समस्त टीम की कड़ी मेहनत और दृढ़ता का सबब तथा पहचान है।' कंपनी की ओर से पुरस्कार प्राप्त करते हुए, उज्जैन सिंह, वीपी- मीडिया मॉनिटरिंग, पीआर 24x7, ने कहा, 'क्वालिटी मार्क अवॉड्र्स न केवल योग्य संगठनों की गुणवत्ता की पहचान करता है, बल्कि यह सर्वश्रेष्ठ का चयन भी बखूबी करता है। हमारी संस्था हमेशा ही क्लाइंट्स को उत्कृष्ट परिणाम देने का लक्ष्य रखती है, क्योंकि उच्च गुणवत्ता प्रदान करना ही संस्था की पहचान है।' अपनी खुशी व्यक्त करते हुए फूल हसन, सीनियर मैनेजर, पीआर 24x7 ने कहा, 'हमारी कंपनी के लिए यह पुरस्कार प्राप्त करना बेहद खुशी की बात है। हमें तीसरी बार यह पुरस्कार जीतने पर गर्व है, और इसने हमारी पूरी टीम को आगे बढ़ते रहने और अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित किया है।' क्वालिटी मार्क अवॉड्र्स, सर्विस इंडस्ट्री के सबसे प्रतिष्ठित और प्रत्याशित पुरस्कारों में से एक है। समाज को उत्कृष्ट उत्पाद तथा सेवाएं देने वाली संस्थाओं को विभिन्न श्रेणियों में विभाजित, इन पुरस्कारों से सम्मानित किया जाता है। पीआर 24x7 को इस ऐतिहासिक जीत के लिए शुभकामनाएं। हम उम्मीद करते हैं कि संस्था प्रतिवर्ष यह पुरस्कार जीतकर सफलता की ऊँची उड़ान भरती रहे।

# निप्पॉन इंडिया फ्लेक्सी कैप फंड ने ऑफर के माध्यम से रु. 2860 करोड़ एकत्रित

**इंदौर। आईपीटी नेटवर्क**

निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड के परिसंपत्ति प्रबंधक निप्पॉन लाइफ इंडिया एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड ने निप्पॉन इंडिया फ्लेक्सीकैप फंड के एन.एफ.ओ. को सफलतापूर्वक पूरा किया। इस फंड के माध्यम से रु। 2860 करोड़ एकत्रित किए गए हैं, जो इसे हाल के दिनों के सबसे बड़े एन।एफ।ओ। में से एक बनाता है। देश की लंबाई और चौड़ाई को शामिल करना यह सुनिश्चित करने वाले इस एन.एफ.ओ. के दौरान भारत के कुल 60% शहरों में निवेशकों तक की यह सबसे सफल पहुँच रही है। 2398 शहरों और 12,625 पिन कोड में फैले 2.50,000 से अधिक निवेशकों द्वारा डिजिटल और ऑफलाइन दोनों तरीकों से इस एन.एफ.ओ. में निवेश किए गए हैं। एस.आई.पी. के लिए 53,000 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जो इस उत्पाद के लिए कई निवेशकों और वितरकों की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

निप्पॉन इंडिया फ्लेक्सी कैप फंड एक ओपन एंडेड डायनेमिक इक्विटी स्कीम है जो लार्ज कैप, मिड कैप, स्मॉल कैप स्टॉक में निवेश करती है और निवेशकों के लिए मार्केट

सुदेश सिक्का, सीईओ

कैप के सभी अवसरों में भाग लेना संभव बनाती है। यह फंड अनिश्चितता के इस समय में लार्ज कैप में अपने आवंटन को बढ़ाने के लिए एक अच्छी स्थिति में है और साथ ही बाज़ार के सुधारों के दौरान मिड और स्मॉल कैप की वृद्धि की क्षमता का लाभ उठाती है। निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड के कार्यकारी निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, संदीप सिक्का ने कहा, 'हम 2.52 लाख से अधिक उन निवेशकों द्वारा दर्शाए गए भरोसे से वास्तव में प्रसन्न हैं, जिन्होंने हाल ही में निप्पॉन इंडिया फ्लेक्सीकैप फंड के एन।एफ।ओ। में रु। 2860 करोड़ रुपये का निवेश किया है। यह पिछले 15 महीनों में निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड में शामिल हुए 15 लाख नए निवेशकों के विश्वास के अतिरिक्त हुआ है; जिसने निवेशकों की संख्या को 75 लाख विलक्षण निवेशकों तक पहुँचा दिया है। हम देश भर के 12625 पिन कोड्स के निवेशकों को निवेश करने में मदद करने के लिए संपूर्ण भारत के अपने वितरकों को भी धन्यवाद देना चाहते हैं। यह एन।एफ।ओ। हमारी वितरण की तटस्थ क्षमताओं, मज़बूत डिजिटल आधारभूत ढाँचे और हमारे ब्रांड में व्यक्त किए गए विश्वास को दर्शाता है।

# अपने राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार के हिस्से के रूप में जेएसडब्ल्यू पेंट्स ने मध्य प्रदेश के बाजार में ली एंट्री

## इंदौर, भोपाल और जबलपुर में प्रॉडक्ट रोल-आउट शुरू हुआ

**इंदौर। आईपीटी नेटवर्क**

भारत की पर्यावरण-अनुकूल पेंट बनाने वाली कंपनी और 13 बिलियन अमेरिकी डॉलर के जेएसडब्ल्यू समूह का हिस्सा जेएसडब्ल्यू पेंट्स ने मध्य प्रदेश के बाजार में प्रवेश किया है। 2019 में लॉन्च किए गए, जेएसडब्ल्यू पेंट्स ने दक्षिण और पश्चिम के बाजारों में पहले ही मजबूत उपस्थिति दर्ज करा ली है। अब एक पैन-इंडिया प्लेयर बनने के लिए यह उत्तर, मध्य और पूर्वी क्षेत्रों में अपने ऑपरेशन को बढ़ा रहा है। मध्य प्रदेश में इसकी एंट्री इसी राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार का हिस्सा है। जेएसडब्ल्यू पेंट्स ने भोपाल, इंदौर और जबलपुर में 1808 रंगों वाले पेंट्स के अपने ऑल वाटर-बेस्ड पोर्टफोलियो को रोल आउट करना शुरू कर दिया है। कंपनी का लक्ष्य मार्च 2022 तक मध्य प्रदेश के सभी स्थानीय बाजारों में अपनी मजबूत उपस्थिति स्थापित करना है।

जेएसडब्ल्यू पेंट्स की उत्तर, मध्य और पूर्वी रीजन में अपने ऑपरेशन को बढ़ाने के लिए 750 करोड़ रुपये के निवेश की योजना है। इन निवेशों का इस्तेमाल मध्य प्रदेश और अन्य नए बाजारों के ग्राहकों की मांग को पूरा करने के लिए, मौजूदा पेंट-मैन्यूफैक्चरिंग कैपिसिटीज का विस्तार करने के साथ-साथ अन्य मार्केटिंग और डिस्ट्रीब्यूटिंग पहलों में लिए किया जाएगा।

मध्य प्रदेश में अपनी एंट्री के बारे में बताते हुए, जेएसडब्ल्यू पेंट्स के मार्केटिंग की वाइस प्रेसिडेंट, सुश्री अनुराधा बोस कहा, 'हमें इस खूबसूरत राज्य के बाजार में प्रवेश के हिस्से के रूप में मध्य प्रदेश के हर घर को, कोई भी रंग- कीमत एक का लाभ का ऑफर देते हुए खुशी हो रही है। भारत में पहली बार, हमारे ग्राहक, यहां अपने घर के लिए रंग चुनते समय मूल्य निर्धारण पारदर्शिता का लाभ उठाएंगे। पर्यावरण के अनुकूल होने पर फोकस करने के साथ, लकड़ी और मेटल सहित सभी सतहों के लिए पेंट की हमारी वाटर-बेस्ड रेंज यह सुनिश्चित करेगी कि हम

मध्य प्रदेश के हर घर की पेंटिंग की जरूरतों को पूरा कर सकें।' जेएसडब्ल्यू पेंट्स के वाइस प्रेसिडेंट सेल्स, श्री श्रीवत्सन विजयराघवन के अनुसार, 'मध्य प्रदेश में, पेंट चुनने में ग्राहकों की भागीदारी बढ़ रही है। इस राज्य में हमारे कस्टमर्स खूब ट्रेवेल करते हैं और सबसे अच्छी गुणवत्ता वाले प्रॉडक्ट्स की तलाश में रहते हैं। हर प्रॉडक्ट बाजार में मौजूदा ऑफर्स की तुलना में ग्लोबल बेस्ट प्रैक्टिसेस और बेहतर फीचर्स से लैस होता है। हमारे उपभोक्ताओं की हमारे प्रॉडक्ट पोर्टफोलियो तक आसान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए कि हम मध्य प्रदेश में खुदरा विक्रेताओं रिटेलर्स का एक मजबूत नेटवर्क तैयार कर रहे हैं। इसका मकसद हमारे उपभोक्ताओं को उनकी पेंट और पेंटिंग के सफर को सरल, तेज और पक्का बनाने में मदद करना है।

जेएसडब्ल्यू पेंट्स के 'एनी कलर वन प्राइस' ऑफर के माध्यम से, कंपनी एक ही कीमत पर 1808 रंगों की पेशकश कर रही है। यह एक इंडस्ट्री-फर्स्ट ऑफरिंग है जिसने पूरे पेंट बाजार में हलचल मचा दी है। इस अनूठे ऑफर को एक इंटिग्रेटेड मार्केटिंग कैंपेन के साथ जीवंत बनाया जाएगा जो जल्द ही मध्य प्रदेश में शुरू किया जाएगा। मार्केटिंग कैंपेन का हमारे उपभोक्ताओं, चैनल पार्टनर्स और इंफ्लुएंसर्स के साथ एक मजबूत जमीनी जुड़ाव होगा। जेएसडब्ल्यू पेंट्स, प्रॉडक्ट रेंज हैलो, ऑरस और पिक्सा के तहत वाटर बेस्ड पेंट्स ऑफर करता है। हैलो एक्वाग्लो लकड़ी और धातु की सतहों के लिए कंपनी की पेशकश है। इसके अलावा, यह अपनी आईब्लॉक ध्ँदव रेंज के तहत वॉटरप्रूफिंग प्रॉडक्ट भी पेश करता है। ये कंप्लीट वाटर-बेस्ड प्रॉडक्ट पोर्टफोलियो की पेशकश करने वाली भारत की एकमात्र कंपनी है। पर्यावरण के अनुकूल होने के कारण, ये पेंट प्रॉडक्ट्स सॉल्वैंट्स का इस्तेमाल नहीं करते हैं, वीओसी पर कम हैं और परिवार के अनुकूल हैं। मध्य प्रदेश के बाजार में अपनी सेवाओं के हिस्से के रूप में, उपभोक्ता जेएसडब्ल्यू पेंट्स बडी सर्विसेस की मदद ले सकते हैं, जहां कंपनी के प्रतिनिधि ग्राहकों को उनके घर पर पेंट से संबंधित प्रश्नों के संबंध में व्यक्तिगत तौर पर मदद करेंगे। कलरविस्टा टच मोबाइल ऐप को ग्राहक के घर पर में रंगों को विजुअलाइज कल्पना करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे उन्हें निर्णय लेने में आसानी होगी।

जेएसडब्ल्यू पेंट्स, भारत की पर्यावरण-अनुकूल पेंट बनाने वाली कंपनी और डाइवर्सिफाइड 13 बिलियन अमेरिकी डॉलर वाले जेएसडब्ल्यू ग्रुप का हिस्सा है। जेएसडब्ल्यू ग्रुप स्टील, एनर्जी, इंफ्रास्ट्रक्चर, सीमेंट, स्पोर्ट्स और वेंचर कैपिटल जैसे सेक्टर्स में दखल रखने वाला भारत का प्रमुख बिजनेस ग्रुप है। वाटर बेस्ड पेंट के एनवायरमेंट-फ्रेंडली पोर्टफोलियो की ऑफरिंग से लेकर पेंट्स के मूल्य निर्धारण में पारदर्शिता लाने वाली 'एनी कलर वन प्राइस' जैसी अपनी क्रिएटिव पहल तक। कंपनी की वर्तमान में दो मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट्स हैं, पहली महाराष्ट्र के वासिंद में एक इंडस्ट्रियल कोटिंग फेसिलिटी और कर्नाटक के विजयनगर में प्रति वर्ष 115,000केएल की क्षमता के साथ डेकोरेटिव पेंट्स फेसिलिटी। बहुत कम समय में ही, यह भारत में सबसे बड़ी इंडस्ट्रियल कॉइल कोटिंग्स कंपनी बन गई है। बॉलीवुड के जाने-माने एक्टर्स आयुष्मान खुराना और आलिया भट्ट, जेएसडब्ल्यू पेंट्स को एंडोर्स कर रहे हैं।

## 75 वें स्वतंत्रता दिवस पर विशेष

*जन गण मन, हमारे देश भारत का राष्ट्रगान है जो मूलतः बंगला भाषा में गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा लिखा गया था। आधिकारिक मानक के अनुसार राष्ट्रगान के गायन की अवधि लगभग 52 सेकंड निर्धारित है लेकिन कुछ विशेष अवसरों पर राष्ट्रगान संक्षिप्त रूप में भी गाया जाता है इसमें प्रथम तथा अन्तिम पंक्तियाँ ही गाते हैं जिसमें लगभग 20 सेकेण्ड का समय लगता है। इस गान को सर्वप्रथम 27 दिसम्बर 1911 को कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में दोनों भाषाओं में (बंगाली और हिन्दी) में गाया गया था। संविधान सभा ने 'जन-गण-मन' को हिन्दुस्तान के राष्ट्रगान के रूप में 24 जनवरी 1950 को अपनाया था। पूरे गान में 5 पद हैं लेकिन आधिकारिक रुप से प्रथम पद को ही हमारे राष्ट्रगान के रूप में स्वीकारा गया है, मूल एवं सम्पूर्ण गान कुछ इस प्रकार लिपिबद्ध किया गया था :*

राजकुमार जैन
कम्प्यूटर इंजीनियर

*जनगणमन-अधिनायक जय हे भारतभाग्यविधाता!*
*पंजाब सिन्धु गुजरात मराठा द्राविड़ उत्कल बंग*
*विन्ध्य हिमाचल यमुना गंगा उच्छलजलधितरंग*
*तव शुभ नामे जागे, तव शुभ आशिष मागे,*
*गाहे तव जयगाथा।*

*जनगणमंगलदायक जय हे भारतभाग्यविधाता!*
*जय हे, जय हे, जय हे, जय जय जय जय हे॥*
*अहरह तव आह्वान प्रचारित, शुनि तव उदार बाणी*
*हिन्दु बौद्ध शिख जैन पारसिक मुसलमान खृष्टानी*
*पूरब पश्चिम आसे तव सिंहासन-पाशे प्रेमहार हय गाँथा।*
*जनगण-ऐक्य-विधायक जय हे भारतभाग्यविधाता!*
*जय हे, जय हे, जय हे, जय जय जय जय हे॥*

*पतन-अभ्युदय-वन्धुर पन्था, युग युग धावित यात्री।*
*हे चिरसारथि, तव रथचक्रे मुखरित पथ दिनरात्रि।*
*दारुण विप्लव-माझे तव शंखध्वनि बाजे संकटदुःखत्राता।*
*जनगणपथपरिचायक जय हे भारतभाग्यविधाता!*
*जय हे, जय हे, जय हे, जय जय जय जय हे॥*

*घोरतिमिरघन निविड़ निशीथे पीड़ित मूर्छित देशे*
*जाग्रत छिल तव अविचल मंगल नतनयने अनिमेषे।*
*दुःस्वप्ने आतंके रक्षा करिले अंके स्नेहमयी तुमि माता।*
*जनगणदुःखत्रायक जय हे भारतभाग्यविधाता!*
*जय हे, जय हे, जय हे, जय जय जय जय हे॥*

*रात्रि प्रभातिल, उदिल रविच्छवि पूर्व-उदयगिरिभाले –*
*गाहे विहंगम, पुण्य समीरण नवजीवनरस ढाले।*
*तव करुणारुणरागे निद्रित भारत जागे तव चरणे नत माथा।*
*जय जय जय हे जय राजेश्वर भारतभाग्यविधाता!*
*जय हे, जय हे, जय हे, जय जय जय जय हे॥*

*राष्ट्र-गान के बोल और धुन स्वयं रवीन्द्रनाथ टैगोर ने आन्ध्रप्रदेश के मदनापल्ली में तैयार की थी। जब किसी आधिकारिक समारोह में राष्ट्र गान गाया या बजाया जाता है तो श्रोताओं से उपेक्षित होता है कि वें सावधान की मुद्रा में खड़े रहें। यद्यपि जब किसी चल चित्र के भाग के रूप में राष्ट्र गान को किसी समाचार की गतिविधि या संक्षिप्त चलचित्र के दौरान बजाया जाए तो श्रोताओं से अपेक्षित नहीं है कि वे खड़े हो जाएं, यह लोगों की अच्छी भावना के लिए छोड दिया गया है कि वे राष्ट्र गान को गाते या बजाते समय किसी अनुचित गतिविधि में संलग्न नहीं हों।*

# रक्षा बंधन क्यों मनाया जाता है? 10 पौराणिक मान्यताएं

**हिन्दू कैलेंडर के अनुसार श्रावण माह की पूर्णिमा को रक्षा बंधन या कहें कि राखी का त्योहार मनाया जाता है। अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार इस बार यह पर्व 22 अगस्त 2021 रविवार को मनाया जाएगा। आओ जानते हैं इस त्योहार को मनाए जाने संबंधी 10 पौराणिक मान्यताएं।**

1. भविष्य पुराण में कहीं पर लिखा है कि सबसे पहले इंद्र की पत्नी शचि ने वृत्तसुर से युद्ध में इंद्र की रक्षा के लिए रक्षा सूत्र बांधा था। इसलिए जब भी कोई युद्ध में जाता है तो उसकी कलाई पर कलाया, मौली या रक्षा सूत्र बांधकर उसकी पूजा की जाती है। देवी लक्ष्मी ने राजा बलि को अपना भाई बनाकर हाथों में अपने पति की रक्षा के लिए यह बंधन बांधा था और अपने बंधक पति श्रीहरि विष्णु को अपने साथ ले गई थी।
2. दूसरी कथा हमें स्कंद पुराण, पद्मपुराण और श्रीमद्भागवत पुराण में मिलती है। कथा के अनुसार भगवान विष्णु ने अदिति के गर्भ से वामन अवतार लिया और ब्राह्मण के वेश में असुरराज राजा बली के द्वार भिक्षा मांगने पहुंच गए। चूंकि राज बली महान दानवीर थे तो उन्होंने वचन दे दिया कि आप जो भी मांगोगे मैं वह दूंगा। भगवान ने बलि से भिक्षा में तीन पग भूमि की मांग ली। बली ने तत्काल हां कर दी, क्योंकि तीन पग ही भूमि तो देना थी। लेकिन तब भगवान वामन ने अपना विशालरूप प्रकट किया और दो पग में सारा आकाश, पाताल और धरती नाप लिया। फिर पूछा कि राजन अब बताइये कि तीसरा पग कहां रखूं? तब विष्णुभक्त राजा बली ने कहा, भगवान आप मेरे सिर पर रख लीजिए और फिर भगवान ने राजा बली को रसातल का राजा बनाकर अजर-अमर होने का वरदान दे दिया। लेकिन बली ने इस वरदान के साथ ही अपनी भक्ति के बल पर भगवान से रात-दिन अपने सामने रहने का वचन भी ले लिया।
3. भगवान को वामनावतार के बाद पुनः लक्ष्मी के पास जाना था लेकिन भगवान ये वचन देकर फंस गए और वे वहीं रसातल में बली की सेवा में रहने लगे। उधर, इस बात से माता लक्ष्मी चिंतित हो गई। ऐसे में नारदजी ने लक्ष्मीजी को एक उपाय बताया। तब लक्ष्मीजी ने राजा बली को राखी बांध अपना भाई बनाया और अपने पति को अपने साथ ले आईं। उस दिन श्रावण मास की पूर्णिमा तिथि थी। तभी से यह रक्षा बंधन का त्योहार प्रचलन में हैं।
4. माना जाता है कि राजसूय यज्ञ के समय जब श्रीकृष्ण ने शिशुपाल का वध कर दिया था तो तब उनकी अंगुली से खून बहने लगा था। इसे देखकर द्रौपदी ने तुरंत ही अपनी साड़ी का एक टुकड़ा फाड़कर उनकी अंगुली पर बांध दिया था। इस कर्म के बदले श्रीकृष्ण ने द्रौपदी को आशीर्वाद देकर कहा था कि एक दिन मैं अवश्य तुम्हारी साड़ी की कीमत अदा करूंगा। इन कर्मों की वजह से श्रीकृष्ण ने द्रौपदी के चीरहरण के समय उनकी साड़ी को इस पुण्य के बदले ब्याज सहित इतना बढ़ाकर लौटा दिया और उनकी लाज बच गई। कहते हैं कि इसी के बाद रक्षा बंधन पर बहन द्वारा राखी बांधने की परंपरा की शुरुआत हुई थी।
5. उत्तर भारत में रक्षा बंधन वाले दिन अर्थात श्रावण की पूर्णिमा को राखी का त्योहार मनाया जाता है, जबकि दक्षिण भारत में समुद्री क्षेत्रों में नारियल पूर्णिमा का त्योहार मनाया जाता है। नारियल पूर्णिमा खासकर सभी मछुआरों का त्योहार होता है। मछुआरे भी मछली पकड़ने की शुरुआत इसी दिन से भगवान इंद्र और वरुण की पूजा करने से करते हैं। पूजा के दौरान विधिवत रूप में उन्हें केल के पत्तों को समुद्र किनारे नारियल अर्पित किए जाते हैं। इसीलिए इस राखी पूर्णिमा को वहां नारियल पूर्णिमा भी कहते हैं। दक्षिण भारत में यह त्योहार समाज का हर वर्ग अपने अपने तरीके से मनाता है। इस दिन जनेऊ धारण करने वाले अपनी जनेऊ बदलते हैं। इस कारण इस त्योहार को अबित्तम भी कहा जाता है। इसे श्रावणी या ऋषि तर्पण भी कहते हैं।
6. प्राचीनकाल से ही राखी के रूप में मौली या कलावा बांधने का प्रचलन रहा है। हाथ के मूल में 3 रेखाएं होती हैं जिनको मणिबंध कहते हैं। भाग्य व जीवनरेखा का उद्गम स्थल भी मणिबंध ही है। इन तीनों रेखाओं में दैहिक, दैविक व भौतिक जैसे त्रिविध तापों को देने व मुक्त करने की शक्ति रहती है। इन मणिबंधों के नाम शिव, विष्णु व ब्रह्मा हैं। इसी तरह शक्ति, लक्ष्मी व सरस्वती का भी यहां साक्षात वास रहता है। जब हम कलावा का मंत्र रक्षा हेतु पढ़कर कलाई में बांधते हैं तो यह तीन धागों का सूत्र त्रिदेवों व त्रिशक्तियों को समर्पित हो जाता है जिससे रक्षा-सूत्र धारण करने वाले प्राणी की सब प्रकार से रक्षा होती है।
7. शास्त्रों का ऐसा मत है कि मौली या राखी बांधने से त्रिदेव- ब्रह्मा, विष्णु व महेश तथा तीनों देवियों- लक्ष्मी, पार्वती व सरस्वती की कृपा प्राप्त होती है। ब्रह्मा की कृपा से कीर्ति, विष्णु की कृपा से रक्षा तथा शिव की कृपा से दुर्गुणों का नाश होता है। इसी प्रकार लक्ष्मी से धन, दुर्गा से शक्ति एवं सरस्वती की कृपा से बुद्धि प्राप्त होती है। यह मौली किसी देवी या देवता के नाम पर भी बांधी जाती है जिससे संकटों और विपत्तियों से व्यक्ति की रक्षा होती है। यह मंदिरों में मन्नत के लिए भी बांधी जाती है।
8. संकल्प के लिए भी रक्षा सूत्र बांधा जाता है जिस तरह की राजा बली ने तीन पग भूमि को दान में देने के पहले जल छोड़कर संकल्प लिया था कि मैं तीन पग भूमि दान करता हूं। इसी तरह रक्षा बंधन पर हम बहन को उसकी रक्षा का वचन देते हैं। मौली बांधकर किए गए संकल्प का उल्लंघन करना अनुचित और संकट में डालने वाला सिद्ध हो सकता है। यदि आपने राखी या मौली बांधी है तो उसकी पवित्रता का ध्यान रखना भी जरूरी हो जाता है।
9. शास्त्रों के अनुसार मौली बांधने से उसके पवित्र और शक्तिशाली बंधन होने का अहसास होता रहता है और इससे मन में शांति और पवित्रता बनी रहती है। व्यक्ति के मन और मस्तिष्क में बुरे विचार नहीं आते और वह गलत रास्तों पर नहीं भटकता है। कई मौकों पर इससे व्यक्ति गलत कार्य करने से बच जाता है।
10. महाभारत में भी रक्षाबंधन के पर्व का उल्लेख है। जब युधिष्ठिर ने भगवान कृष्ण से पूछा कि मैं सभी संकटों को कैसे पार कर सकता हूं, तब कृष्ण ने उनकी तथा उनकी सेना की रक्षा के लिए राखी का त्योहार मनाने की सलाह दी थी।

# रक्षाबंधन पर भाई से पहले बांधें इन 5 देवताओं को राखी

रक्षाबंधन पर भाई के अलावा भगवान, वाहन, पालतू पशु, द्वार आदि कई जगहों पर राखी को बांधा जाता है। इसके पीछे मान्यता यह है कि हमारी रक्षा के साथ ही सभी की रक्षा हो। आओ जानते हैं कि रक्षा बंधन पर खासतौर पर किन देवताओं को बांधी जाती है राखी।

**गणपति :** गणपति जी प्रथम पूज्य देवता हैं। किसी भी प्रकार का मांगलिक कार्य करने के पूर्व उन्हीं की पूजा करते हैं। इसीलिए सबसे पहले उन्हें ही राखी बांधी जाती है। गणपतिजी की बहनें अशोक सुंदरी, मनसा देवी और ज्योति हैं।

**शिवजी :** श्रावण माह शिवजी का माह है और इसी माह की पूर्णिमा को रक्षा बंधन का त्योहार मनाते हैं। प्रचलित मान्यता अनुसार कहते हैं कि भगवान शिव की बहन असावरी देवी थीं।

**हनुमानजी :** हनुमानजी शिवजी के रुद्रावतार हैं। जब देव सो जाते हैं तो शिवजी भी कुछ समय बाद सो जाते हैं और वे रुद्रावतार रुप में सृष्टि का संचालन करते हैं। इसीलिए श्रावण माह में हनुमानजी की विशेष रूप से पूजा होती है। सभी संकटों से बचने के लिए हनुमानजी को राखी बांधते हैं।

**कान्हाजी :** शिशुपाल का वध करते वक्त श्रीकृष्ण के हाथ से खून बने लगा तो द्रौपदी ने अपनी साड़ी का पल्लू फाड़कर उनके हाथ में बांध दिया था। इस कार्य के बदले में श्रीकृष्ण ने द्रौपदी को संकट के समय उसकी रक्षा करने का वचन दिया था। ऐसा भी कहा जाता है कि जब युधिष्ठिर ने भगवान कृष्ण से पूछा कि मैं सभी संकटों को कैसे पार कर सकता हूं, तब कृष्ण ने उनकी तथा उनकी सेना की रक्षा के लिए राखी का त्योहार मनाने की सलाह दी थी। श्रावण माह में श्रीकृष्ण की पूजा का भी खास महत्व है क्योंकि भादो में उनका जन्म हुआ था तो एक माह पूर्व से ही ब्रजमंडल में उनके जन्मोत्सव की धूम रहती हैं।

**नागदेव :** मनसादेवी के भाई वासुकि सहित सभी नागों की नाग पंचमी के दिन पूजा होती हैं। रक्षा बंधन पर नागदेव को भी राखी अर्पित करने की परंपरा है। नाग देव सभी तरह के सर्प योग और भय से मुक्त करते हैं।

रक्षा बंधन के दिन सबसे पहले गणेशजी को राखी बांधना चाहिए। इसके बाद अन्य देवी-देवताओं, कुल देवता और अपने इष्ट देव को भी राखी बांधनी चाहिए।

# 474 साल बाद रक्षाबंधन पर शुभ संयोग, बन रहा है गज केसरी योग

***हिन्दू कैलेंडर के अनुसार रक्षा बंधन का त्योहार प्रति वर्ष श्रावण माह की पूर्णिमा को मनाया जाता है। इस बार यह पर्व अंग्रेजी के कैलेंडर के अनुसार 22 अगस्त 2021 रविवार को रहेगा। इस बार 474 साल बाद रक्षाबंधन पर शुभ संयोग भी बन रहा है। आओ जानते हैं शुभ मुहूर्त और संयोग के बारे में जानकारी।***

## शुभ संयोग :

1. शोभन योग : प्रातः 06 बजकर 15 मिनट से प्रातः 10 बजकर 34 मिनट तक शोभन योग रहेगा। यह अच्छा योग है। इसमें सभी तरह के मांगलिक कार्य किए जा सकते हैं। शोभन योग काल- 21 अगस्त 12:54 pm – 22 अगस्त 10:33 am
2. धनिष्ठा नक्षत्र : धनिष्ठा नक्षत्र शाम को करीब 07 बजकर 39 मिनट तक रहेगा। धनिष्ठा का स्वामी ग्रह मंगल है। इस नक्षत्र के दौरान शुभ मुहूर्त में राखी बंधाई जा सकती है। धनिष्ठा काल- 21 अगस्त 08:21 pm – 22 अगस्त 07:39 pm तक।
3. गजकेसरी योग : इस साल 2021 में रक्षाबंधन का त्योहार राजयोग में बनाया जाएगा। राखी पर इस बार चंद्रमा कुंभ राशि में मौजूद रहेंगे और गुरु कुंभ राशि में ही वक्री चाल में मौजूद है। गुरु और चंद्रमा की इस युति से रक्षाबंधन पर गज केसरी योग का निर्माण हो रहा है। यह योग विजय दिलाने वाला और सुख देने वाला योग कहा गया है। इस योग में किए गए कार्यों के परिणाम अच्छे होते हैं।
4. 474 साल इस तरह के ग्रहों के योग बने हैं : राखी के दिन धनिष्ठा नक्षत्र में सूर्य, मंगल और बुध तीनों एक साथ सिंह राशि में मौजूद रहेंगे। तीन ग्रहों का ऐसा संयोग 474 साल के बाद बन रहा है। ऐसा संयोग भाई-बहन के लिए यह बहुत ही लाभकारी और सुख प्रदान करने वाले माना जा रहा है।

## शुभ मुहूर्त :

1. अभिजीत मुहूर्त- सुबह 11:57:51 से दोपहर 12:49:52 तक।
2. अमृत कालः - सुबह 09:34 से 11:07 तक।
3. ब्रह्म मुहूर्त – सुबह 04:33 से 05:21 तक।
4. ज्योतिषाचार्यों के अनुसार 22 अगस्त की सुबह 5 बजकर 50 मिनट से शाम 6 बजकर 03 मिनट का तक राखी बांधी जा सकती है चौघड़िया देखकर।

## इस समय न बांधें राखी :

राहु काल : 17:16:31 से 18:54:05 तक

दुष्टमुहूर्त : 17:10:01 से 18:02:03 तक

भद्रा काल : भद्रा काल 23 अगस्त, 2021 सुबह 05:34 से 06:12 तक रहेगा। राखी भद्राकाल और राहुकाल में नहीं बांधी जाती है क्योंकि इन काल में शुभ कार्य वर्जित माना जाता हैं। हालांकि इस बार राखी पर भद्रा का साया नहीं है।

# इजराइल में कोरोना वायरस की चौथी लहर ने दी दस्तक

## तेजी से बढ़ते मामलों ने बढ़ाई चिंता

**नई दिल्ली। एजेंसी**

बीते साल की शुरूआत के साथ ही शुरू हुआ कोरोना वायरस संक्रमण दुनिया को अभी छोड़ता नहीं दिख रहा है। कुछ देशों में इस समय इसकी दूसरी और तीसरी लहर है तो कई देशों में चौथी लहर ने दस्तक दे दी है। खासतौर से इजराइल में जिस तरह से केस बढ़े हैं और चौथी लहर ने दस्तक दी है। उससे ना सिर्फ इजराइल सरकार बल्कि दुनियाभर में चिंता है। इसकी वजह ये है कि बायोएनटेक/फाइजर की वैक्सीन आपूर्ति बहुत जल्दी इजराइल को मिली थी। इस साल अप्रैल में उसने अपनी 70 प्रतिशत आबादी को वैक्सीन की दोनों डोज लगा दी थीं और अपनी पूरी अर्थव्यवस्था को फिर से खोलने का जश्न मनाया था। दुनिया के सबसे अधिक टीकाकरण वाले देशों में से एक इजराइल इन दिनों कोरोना की खतरनाक चौथी लहर का अनुभव कर रहा है। लोग अस्पताल में बेड और बूस्टर शॉट के लिए दौड़ रहे हैं। इजराइल में नए कोरोना मामले मिलने का बीते छह महीने का रिकॉर्ड टूट गया है। ट्रेंड में दिख रहा है कि दूसरी डोज लेने के छह से आठ महीने बाद रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने लगती है। इजराइल में नए कोरोना केस में 90 प्रतिशत मामले टीका लगवा चुके 50 साल से ज्यादा के लोगों में हैं। देश के स्वास्थ्य विभाग ने कहा है कि सितंबर की शुरुआत तक कम से कम 5,000 लोगों को अस्पताल के बिस्तरों की आवश्यकता होगी, जिसमें करीब आधे गंभीर हो सकते हैं। इसके साथ ही इजराइल ने 50 साल से अधिक के लोगों को कोरोना वैक्सीन का तीसरा शॉट देना शुरू कर दिया है। सरकार ने ये भी कहा है कि अगर तीसरा डोज भी अप्रभावी साबित होता है, तो फिर लॉकडाउन लगाया जा सकता है।

### कई देशों में दिख रही चौथी लहर

इजराइल के अलावा भी दुनिया के कई देशों में डेल्टा कोरोना की चौथी लहर के संकेत मिल रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा कि कोरोना के डेल्टा वेरिएंट ने मिडिल ईस्ट यानी मध्य-पूर्व के देशों में चौथी लहर का रूप ले लिया है और वहां कोरोना वायरस के मामलें में तेज वृद्धि की है। वहीं

फ्रांस सरकार ने भी देश में कोरोना महामारी की चौथी लहर आने की बात कहते बुए इसे काबू में करने के लिए कोविड संबंधित गाइडलाइन के सख्ती से पालन के दिशा-निर्देश जारी किए हैं। बता दें कि दुनियाभर में अब तक 20 करोड़ से ज्यादा कोरोना के मामले मिल चुके हैं। वहीं संक्रमण से 43 लाख से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं। दुनियाभर के भर इससे प्रभावित हैं। वहीं इसका सबसे ज्यादा असर अमेरिका, भारत, ब्राजील, रूस, फ्रांस, ब्रिटेन पर देखने को मिला है।

# लॉकर के लिए बैंकों को अपनाने होंगे नए नियम

### RBI ने जारी की गाइडलाइंस

**नई दिल्ली। एजेंसी**

अगर आप बैंक लॉकर (Bank Locker) का इस्तेमाल करते हैं तो यह आपके लिए जरूरी खबर है। अगले साल से बैंक लॉकर को लेकर नियम बदल जाएंगे। दरअसल, बैंकों में लॉकर को लेकर भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई (RBI) ने बुधवार को नए दिशानिर्देश जारी किए। बैंक लॉकर के नए नियम 1 जनवरी, 2022 से लागू होंगे।

आरबीआई ने बुधवार को बैंकों को लॉकरों के आवंटन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। नए नियम के मुताबिक, बैंकों के ब्रांच वाइज लॉकर एलॉटमेंट की जानकारी और वेटिंग लिस्ट कोर बैंकिंग सिस्टम से जोड़ा जाएगा। गाइडलाइंस में कहा गया है कि बैंकों को लॉकर आवंटन के सभी आवेदनों के लिए पावती देनी होगी। यदि अगर लॉकर आवंटन के लिए उपलब्ध नहीं हैं तो बैंकों को ग्राहकों को इंतजार वेटिंग लिस्ट का नंबर देना होगा। नए दिशानिर्देशों के अनुसार, बैंक के मौजूदा ग्राहक जिन्होंने लॉकर सुविधा के लिए आवेदन किया है और जो सीडीडी मानदंडों का पूरी तरह से अनुपालन करते हैं, उन्हें सेफ डिपॉजिट लॉकर/सेफ कस्टडी आर्टिकल की सुविधा निम्नलिखित के अधीन दी जा सकती है। नए नियम के मुताबिक, जिन ग्राहकों का बैंक के साथ कोई अन्य बैंकिंग रिलेशन नहीं है, उन्हें सेफ डिपॉजिट लॉकर/सेफ कस्टडी आर्टिकल की सुविधा दी जा सकती है।

आरबीआई ने कहा कि बैंक लॉकर समझौते में एक क्लॉज शामिल करेंगे कि लॉकर में कुछ भी अवैध या कोई खतरनाक पदार्थ नहीं रखा जाएगा। अगर बैंक को किसी भी ग्राहक द्वारा सुरक्षित जमा लॉकर में किसी भी अवैध या खतरनाक पदार्थ के जमा होने का संदेह है, तो बैंक को ऐसे ग्राहक के खिलाफ उचित कार्रवाई करने का अधिकार होगा।

रिजर्व बैंक के नए नियम के तहत आग, चोरी, इमारत ढहने या बैंक कर्मचारियों द्वारा धोखाधड़ी के मामले में बैंकों की देनदारी उसके वार्षिक किराए के 100 गुना तक सीमित होगी। यदि ग्राहक द्वारा लगातार तीन वर्षों तक किराए का भुगतान नहीं किया गया है तो बैंक उचित प्रक्रिया का पालन करते हुए किसी भी लॉकर को खोल सकता है।

## आरबीआई ने एचडीएफसी बैंक को दी बड़ी राहत

# क्रेडिट कार्ड जारी करने पर लगा बैन हटाया

**नई दिल्ली।** रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक एचडीएफसी बैंक को बड़ी राहत दी है। बैंक ने एचडीएफसी पर लगाए गए बैन को हटा लिया है। RBI द्वारा हटाए गए इस बैंक के बाद अब HDFC अपने क्रेडिट कार्ड और डिजिटल सेवाएं शुरू कर सकेगा। HDFC पर लगी रोक हटी 8 महीनों के बाद बैंक पर ये पाबंदी हटाई जा रही है। आरबीआई ने 3 दिसंबर 2020 को सख्त कदम उठाते हुए एचडीएफसी बैंक पर नए क्रेडिट कार्ड जारी करने और किसी भी तरह के नए डिजिटल प्रॉडेक्ट लॉन्च करने पर पाबंदी लगा दी थी। पिछले दो सालों से एचडीएफसी बैंक के डिजिटल बैंकिंग, कार्ड पेमेंट, जैसे कई बैंकिंग कामों में समस्या आ रही थी,स जिसके बाद आरबीआई ने बड़ा कदम उठाते हुए पाबंदी लगाई थी। अब आठ महीनों के बाद ये बैन हटा लिया गया है। बैंक जारी कर सकेगा क्रेडिट कार्ड इस बारे में एचडीएफसी बैंक ने कहा कि आरबीआई ने अब उनपर से ये पाबंदी हटा ली है। आरबीआई द्वारा लगाए गए इस बैंक के कारण दिसंबर 2020 में उसकी कुल कार्ड बेस 15.38 मिलियन से गिरकर इस साल जून में 14.82 मिलियन पर पहुंच गई है। अब जब की बैंक पर से बैन को हटा लिया गया है तो बैंक पूरी रफ्तार के साथ अपने टारगेट को पाने में जुट जाएगा। जोरदार वापसी की तैयारी बैंक बैन हटने क बाद जोरदार वापसी की तैयारी में है। बैंक ने पहले ही इसे लेकर कहा था कि बैन हटने को बाद वो अपने इस नुकसान की भरपाई कर लेगा। एचडीएफसी बैंक के ग्रुप हेड पराग राव ने भी कहा कि उनकी तैयारी पूरी है। वो इंतजार कर रह थे कि आरबीआई का बैन हटा। वो अपने नुकसान की भरपाई की योजना तैयार कर चुके हैं।

# मंत्रिमंडल ने 11,040 करोड़ रुपये के राष्ट्रीय खाद्य तेल- पॉम तेल मिशन को मंजूरी दी

**नयी दिल्ली। एजेंसी**

सरकार ने खाद्य तेलों के आयात पर देश की निर्भरता को कम करने के लिये बुधवार को 11,040 करोड़ रुपये के राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन- आयल पॉम को मंजूरी दे दी। इसके तहत अगले पांच साल के दौरान देश में पामतेल की खेती को प्रोत्साहित किया जायेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर 15 अगस्त को लाल किले से देश को संबोधित करते हुये इस नई केन्द्रीय योजना की घोषणा की थी जिसे आज केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने अपनी मंजूरी दे दी। केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने यहां संवाददाताओं को जानकारी देते हुए कहा कि मंत्रिमंडल ने पूर्वोत्तर क्षेत्र और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन- आयल पॉम (एनएमईओ-ओपी) को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि खाद्य तेलों के आयात पर बढ़ती निर्भरता के कारण खाद्य

तेलों के घरेलू उत्पादन को बढ़ाने के लिए प्रयास करना महत्वपूर्ण है। इसमें पाम तेल की खेती का बढ़ा रकबा और उत्पादकता को बढ़ाना, महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। उन्होंने कहा कि नयी केंद्रीय योजना को 11,040 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय के साथ मंजूरी दी गई है। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने इस मिशन के बारे में कहा कि एनएमईओ-ओपी योजना के तहत सरकार पाम तेल उत्पादकों को मूल्य का आश्वासन देगी। कृषि मंत्री ने संवाददाताओं से कहा कि सरकार ने केंद्रीय योजना के तहत रोपण सामग्री के लिए पाम तेल उत्पादकों को दी जाने वाली सहायता को 12,000 रुपये प्रति हेक्टेयर से बढ़ाकर 29,000 रुपये प्रति हेक्टेयर कर दिया है। तोमर ने कहा कि पाम तेल की खेती के लिए रोपण सामग्री की कमी को दूर करने के लिए केंद्र एनएमईओ-ओपी के तहत 15 हेक्टेयर के लिए एक करोड़ रुपये तक की सहायता देगा।

# पेटेंट आवेदन करने वाले संभी शैक्षणिक संस्थानों कें लिए शुल्क में 80% कटौती की घोषणा

**नयी दिल्ली। एजेंसी**

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने पेटेंट के लिए आवेदन करने वाले सभी मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थानों के लिए शुल्क में 80 प्रतिशत कटौती की घोषणा की है। चाहे ये संस्थान देश में हों या विदेश में, उन्हें इस छूट का लाभ मिलेगा। गोयल ने मंगलवार को कहा कि पूर्व में 80 प्रतिशत शुल्क कटौती उन सभी मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थानों को मिलती थी, जो सरकार के स्वामित्व में है। गोयल ने कहा, ''मुझे लगता है कि यह काफी अनुचित है। ऐसे में नवोन्मेषण सिर्फ सरकारी संस्थानों से ही आता।'' भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के बौद्धिक संपदा पर एक वेबिनार को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा, ''अब 80 प्रतिशत की शुल्क कटौती सभी मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थानों को मिलेगी। चाहे वे सरकारी संस्थान हों, सरकार से मदद प्राप्त करने वाले संस्थान हों या निजी संस्थान। ये संस्थान चाहे देश में हो या विदेश में, उन्हें यह रियायत मिलेगी।'' उन्होंने कहा कि सभी मान्यता प्राप्त शैक्षणिक संस्थानों, विश्वविद्यालयों, स्कूलों और कॉलेजों को 80 प्रतिशत शुल्क कटौती का लाभ मिलेगा। इसका मतलब है कि किसी संस्थान के लिए प्रकाशन या नवीकरण का शुल्क 4,24,500 रुपये से घटकर 85,000 रुपये रह जाएगा।

मध्यप्रदेश शासन

# "सारे जहाँ से अच्छा हिंदोस्तां हमारा हम बुलबुलें हैं इसकी ये गुलिस्तां हमारा"

70 आज़ादी का अमृत महोत्सव

## स्वाधीनता दिवस पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

श्री नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

आज़ादी की वर्षगांठ पर अपने प्राणों का उत्सर्ग करने वाले असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों को हम श्रद्धापूर्वक नमन करते हैं, प्रदेश में सौहार्दपूर्ण सम-समाज और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण का अपना संकल्प दृढ़ता से दोहराते हैं।

श्री शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री

## चुनौतियों से लड़कर देता जीत का संदेश – स्वस्थ, समृद्ध आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश

### हर गरीब का अपना घर
- प्रधानमंत्री आवास योजना की 2484 करोड़ रुपये की राशि जारी।

### गर्व से कर रहे खुद का व्यवसाय
- पीएम स्वनिधि योजना के माध्यम से 3 लाख 16 हजार शहरी पथ विक्रेताओं को मिला 316 करोड़ रुपये का ब्याज मुक्त ऋण।

### आजीविका के अवसर
- प्रदेश में 5 लाख 54 हजार परिवारों को आजीविका स्व-सहायता समूहों से जोड़कर 4% ब्याज पर 1 हजार 400 करोड़ रुपये का बैंक ऋण उपलब्ध कराया गया।

### हर कदम अन्नदाता के साथ
- कोरोना काल में रबी विपणन वर्ष 2021-22 में 17.16 लाख किसानों से 128.16 लाख मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन कर किसानों को 25,000 करोड़ रुपये का भुगतान।
- विभिन्न किसान हितैषी योजनाओं के माध्यम से एक लाख करोड़ रुपये से अधिक के हितलाभ किसानों को दिये गये।

### सबको भोजन और पोषण
- प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के अंतर्गत 7 अगस्त को अन्नोत्सव में 1 करोड़ 15 लाख परिवारों को नि:शुल्क खाद्यान्न वितरण।

### स्वास्थ्य पर ध्यान
- अब तक 2.5 करोड़ लोगों को आयुष्मान कार्ड जारी। 8 लाख 50 हजार हितग्राहियों का करीब 1200 करोड़ रुपये के व्यय से नि:शुल्क इलाज।

### खेलों को प्रोत्साहन
- खेलो इण्डिया योजना के अंतर्गत प्रदेश में 3 बड़े खेल सेंटर और 10 छोटे खेल सेंटर मंजूर।
- टोक्यो ओलम्पिक 2021 में मध्यप्रदेश के 11 खिलाड़ियों द्वारा देश का प्रतिनिधित्व।

### महिला सशक्तिकरण
- प्रदेश के सभी जिलों के 700 थानों में ऊर्जा महिला डेस्क की स्थापना।
- महिलाओं के लिये ₹ 100 करोड़ की लागत से नारी सम्मान कोष की स्थापना।
- धार्मिक स्वतंत्रता कानून 2020 लागू।

### कोरोना संक्रमण प्रभावितों की मदद के कदम
- कोविड आपदा में निराश्रित बच्चों की मदद के लिये मुख्यमंत्री कोविड बाल सेवा योजना।
- कोविड आपदा में शासकीय कर्मचारी की मृत्यु होने पर परिवार को 5 लाख रुपये की वित्तीय मदद।
- मुख्यमंत्री कोविड-19 अनुकंपा नियुक्ति योजना के तहत शासकीय कर्मचारी की मृत्यु होने पर एक सदस्य को अनुकंपा नियुक्ति।
- कोविड-19 ड्यूटी पर तैनात फ्रंट लाइन वर्कर की मृत्यु हो जाने पर परिवार को 50 लाख रुपये की वित्तीय सहायता।
- मुख्यमंत्री कोविड उपचार योजना में आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को नि:शुल्क कोविड उपचार की सुविधा।

D18069/21

**प्रेरणा और प्रगति का प्रदेश मध्यप्रदेश**

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2021